केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची
Central Tasar Research & Training Institute, Ranchi

Success Story Record Pro-forma of Tasar Sericulture Farmers

Regional Sericultural Research Station, Baripada

क्र.सं.	विवरण	ब्यौरा
1.	कृषक का नाम	खगेश्वर मोहंता
2.	आयु	53
3.	गांव का नाम	कांचीचुवा
4.	राज्य	ओडिशा
5.	पालित फसल	
	द्वितीय	
	तृतीय	
6.	फसलों से प्राप्त आय :	800 रोमुच डाबा टीवी,82.80 कोसे/रोमुच की दर से कुल 66,240 कोसे उत्पादित
	प्रथम:	
	द्वितीय:	
	तृतीय:	
7.	केन्द्र का नाम :	Rs 1,41,069.00
8.	तसर संवर्धन से पूर्व वे क्या करते थे?	सुकिन्दा टीआरसीएस
9.	उनके द्वारा आय का उपयोग कैसे किया गया ?	कृषि
10.	लाभ अर्जित करने के लिए उनके द्वारा क्या अतिरिक्त प्रयास किए गए?	बेहतर जीवन के लिए
11.	केन्द्र का क्या योगदान था?	कुछ तकनीकियां यथा नायलन जाल के अंदर चाकी कीटपालन, जीवन सुधा, चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर जैसे संक्रामकों का उपयोग किया।
12.	क्या वे अन्य रेशमोत्पादन गतिविधियां यथा बीज उत्पादन, धागाकरण एवं कताई तथा धागा उत्पादन इत्यादि करने के इच्छुक हैं :	प्रौद्योगिकी प्रसार, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी पर जागरुकता सृजन, बुबीप्रवप्रके से रोमुच की व्यवस्था, शलभ परीक्षण
13.	चित्र दीर्घा	अपने परिवार के महिला सदस्यों के लिए धागाकरण गतिविधियों के अलावा बीज उत्पादन भी।
14.	कृषक का फोटो:	
15.	कृषक के प्रक्षेत्र का फोटो:	
16.	कृषक के घर का फोटो:	
17.	गांव का फोटो :	

18.	**क्या रेशम उत्पादन को आय के मुख्य साधन के रूप में अपनाना चाहते हैं:**	**बुनियादी बीज के अच्छे स्रोत के अलावा यदि पौधारोपण रखरखाव हेतु सहयोग दिया जाता है तो बीज फसल कीटपालन भी कर सकते हैं फलस्वरूप स्वयं का बीज उत्पादन एवं बाद में वाणिज्यिक फसल भी बढ़ा सकते हैं।**